गणेशपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन

समाज सेवा का भाव पैदा करता है शिविर – कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र

वर्धा दि. 27 फरवरी 2016: राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर के माध्यम से गांव में सामाजिक विकास के अनेक कार्य किये जाते हैं। इस प्रकार के शिविर विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा का भाव पैदा करते हैं और उन्हें समाज जीवन से जुडने के लिए प्रेरित करते हैं। इसे वर्ष में एक ही

नहीं अपितु दो या तीन बार आयोजित करते रहना चाहिए, इसके लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध होगा। उक्त प्रतिपादन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने व्यक्त किये। वे वर्धा से आठ किलोमीटर दूर गणेशपुर में विश्वविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के समापन पर बोल रहे थे। समापन समारोह में गणेशपुर ग्राम पंचायत की सरपंच निर्मलाताई ढुमने, समाजसेवी प्रदीप दाते, वर्धा, ग्राम पंचायत सदस्य अरूण दाते, प्रदर्शनकारी कला विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश पावड़े, स्त्री अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अवंतिका शुक्ला, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे, गणेशपुर के किरण क्लिनिक के खुशालराव येडे मंचासीनथे।

गणेशपुर में 20 से 26 फरवरी के दौरान विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसका उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र तथा समापन कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र द्वारा किया गया। इस दौरान जिला सामान्य अस्पताल एवं सेवाग्राम अस्पताल के आंजी केंद्र के सहयोग से स्वास्थ्य जांच एवं हिमोग्लोबिन जॉंच शिविर लगाया गया, जिसका लाभ गणेशपुर के दो सौ से अधिक महिला और पुरुषों ने लिया।

समापन समारोह में प्रदीप दाते ने कहा कि हम विकास के पथ पर अग्रसर हो रहे है, परंतु विकास का सही रास्ता गावों की पगडंडी में से ही गुजरता है। गांव ही देश के विकास का केंद्र है। यदि सही मायनों में गांव विकसित हो जाए तो देश को विकसित होने में कोई समस्याएं नहीं हो सकती। इस अवसर पर डॉ. सतीश पावड़े, डॉ. अवंतिका शुक्ला, अरूण दाते, खुशालराव येडे और सरपंच निर्मलाताई ढुमने ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन राजेश लेहकपुरे ने किया और आभार बी. एस. मिरगे ने माना। गणेशपुर निवासी मनीष चापडे, दत्ता धामनकर, स्वयंसेवक विद्यार्थी श्रीलेखा, गावेंद्र देशमुख और सचिन पाहवा आदि ने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त करते हुए शिविर को सफल करार दिया।

गणेशपूर येथे राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विशेष शिबिराचा समारोप

शिबिरातून समाज सेवेची भावना निर्माण होते – कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र

वर्धा दि. 27 2016: राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या शिबिरांमधून विद्यार्थ्यांमध्ये सामाजिक सेवेची भावना निर्माण होते आणि त्यांना समाजजीवनाशी जोडण्याची प्रेरणा मिळते असे विचार महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र यांनी व्यक्त केले. ते वर्धा येथून आठ किलोमीटर अंतरावर असलेल्या गणेशपूर येथे विश्वविद्यालयाच्या वतीने आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विशेष शिबिराच्या समारोप प्रसंगी बोलत होते. यावेळी गणेशपूर ग्राम

पंचायतच्या सरपंच श्रीमती निर्मलाताई ढुमने, समाजसेवी प्रदीप दाते, वर्धा, ग्राम पंचायत सदस्य अरूण दाते, प्रदर्शनकारी कला विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश पावड़े, स्त्री अध्ययन विभागातील सहायक प्रोफेसर डॉ. अवंतिका शुक्ला, राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे, गणेशपूरच्या किरण क्लिनिकचे खुशालराव येडे मंचावर उपस्थित होते.

गणेशपूर येथे 20 ते 26 फेब्रुवारी पर्यंत हे शिबिर आयोजित केले होते. शिबिरादरम्यान जिल्हा सामान्य रूग्णालय, वर्धा आणि सेवाग्राम रूग्णालयाच्या आंजी केंद्राच्या सहकार्याने आरोग्य आणि हिमोग्लोबिन तपासणी शिबिर घेण्यात आले. यात गावातील दोनशेहून अधिक महिला आणि पुरूषांची तपासणी करण्यात आली.जॉच शिविर लगाया गया, जिसका लाभ गणेशपुर के दो सौ से अधिक महिला और पुरुषों ने लिया।

समारोपीय कार्यक्रमात बोलतांना वर्धेतील समाजसेवी प्रदीप दाते म्हणाले की आपण विकासाच्या दृष्टीने अग्रेसर होत आहोत, परंतु विकासाचा योग्य रस्ता हा गावातील पायवाटांमधूनच जात असतो. खेडी हिच विकासाचे केंद्र आहे. जर गाव योग्य प्रकारे विकसित झाले तर देश विकसित होण्यात कोणत्याही समस्या येवू शकणार नाहीत. यावेळी डॉ. सतीश पावड़े, डॉ. अवंतिका शुक्ला, अरूण दाते, खुशालराव येडे, गणेशपूरच्या सरपंच श्रीमती निर्मलाताई ढुमने यांनीही विचार मांडले. कार्यक्रमाचे संचालन राजेश लेहकपुरे यांनी केले तर आभार कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी मानले. गणेशपूर निवासी मनीष चापडे, दत्ता धामनकर, स्वयंसेवक विद्यार्थी श्रीलेखा, गावेंद्र देशमुख, सचिन पाहवा, प्रियंका, रजनी, गोदावरी यांनी आपल्या प्रतिक्रिया दिल्या.